RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 12th | GEOGRAPHY

भूसंसाधन तथा कृषि

भारत में भू -उपयोग परिवर्तन

अध्याय-3 | भाग-2

एकदम BASIC से!



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संसाधन → ऐसे साधन जिन्का उपयोग मानव करता है उसे संसाधन कहते हैं।

— भू - संसाधन

↓

मानव अपने उपयोग भूमि का उपयोग करता।

↓

निवास, सड़क, स्कूल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारतीय भू सर्वेक्षण संस्थान

↓

प्रशासनिक इकाइयों के क्षेत्रफल।

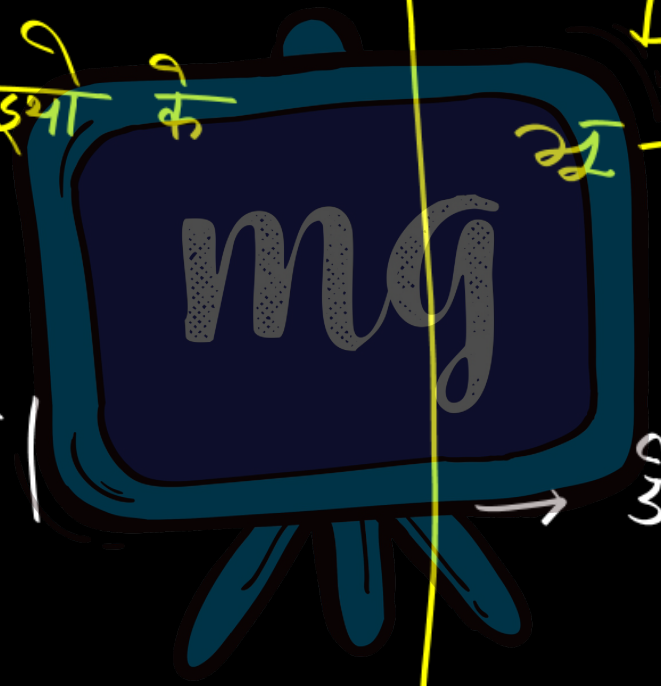
→ निश्चित डेटा।

राजस्व विभाग

↓

भू-उपयोग के डेटा जारी।

→ डेटा (+ −)



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भू-संसाधन उपयोग के आधार

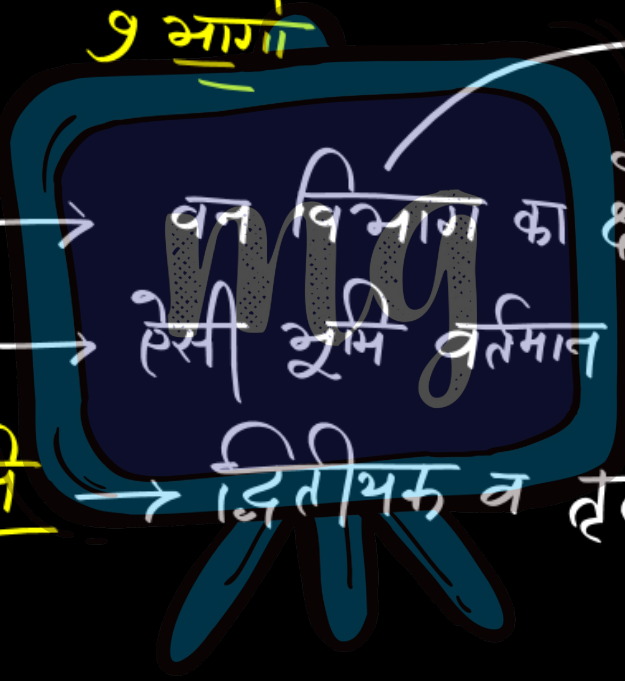
↓

9 भाग।

(1.) वन भूमि → वन विभाग का क्षेत्र। → 100 k.m²

(2.) बंजर भूमि → ऐसी भूमि वर्तमान की कृषि तकनीकी उपयोग। → 35 k.m²

(3.) गैर कृषि भूमि → द्वितीयक व तृतीयक क्षेत्र के कार्य सम्पन्न।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?



1 भारत में भू-उपयोग परिवर्तन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(1) वन भूमि
(2) बंजर भूमि
(3) गैर-कृषि भूमि
(4) स्थायी चरागाह क्षेत्र

4. स्थायी चरागाह क्षेत्र

- भूमि पर ग्राम पंचायत या सरकार का स्वामित्व
- भूमि का केवल एक छोटा भाग निजी स्वामित्व में
- साझा संपत्ति संसाधन : ग्राम पंचायत के स्वामित्व वाली भूमि



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5. विविध तरु-फ़सलों व उपवनों के अंतर्गत क्षेत्र

- जो बोए गए निवल क्षेत्र में सम्मिलित नही है।
- भूमि जिस पर उद्यान व फलदार वृक्ष हैं।
- अधिकतर भूमि निजी स्वामित्व में है।



कुल कृषि भूमि
100 बीघा
80 बीघा → खेती
निवल बोया गया क्षेत्र → 80 बीघा

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

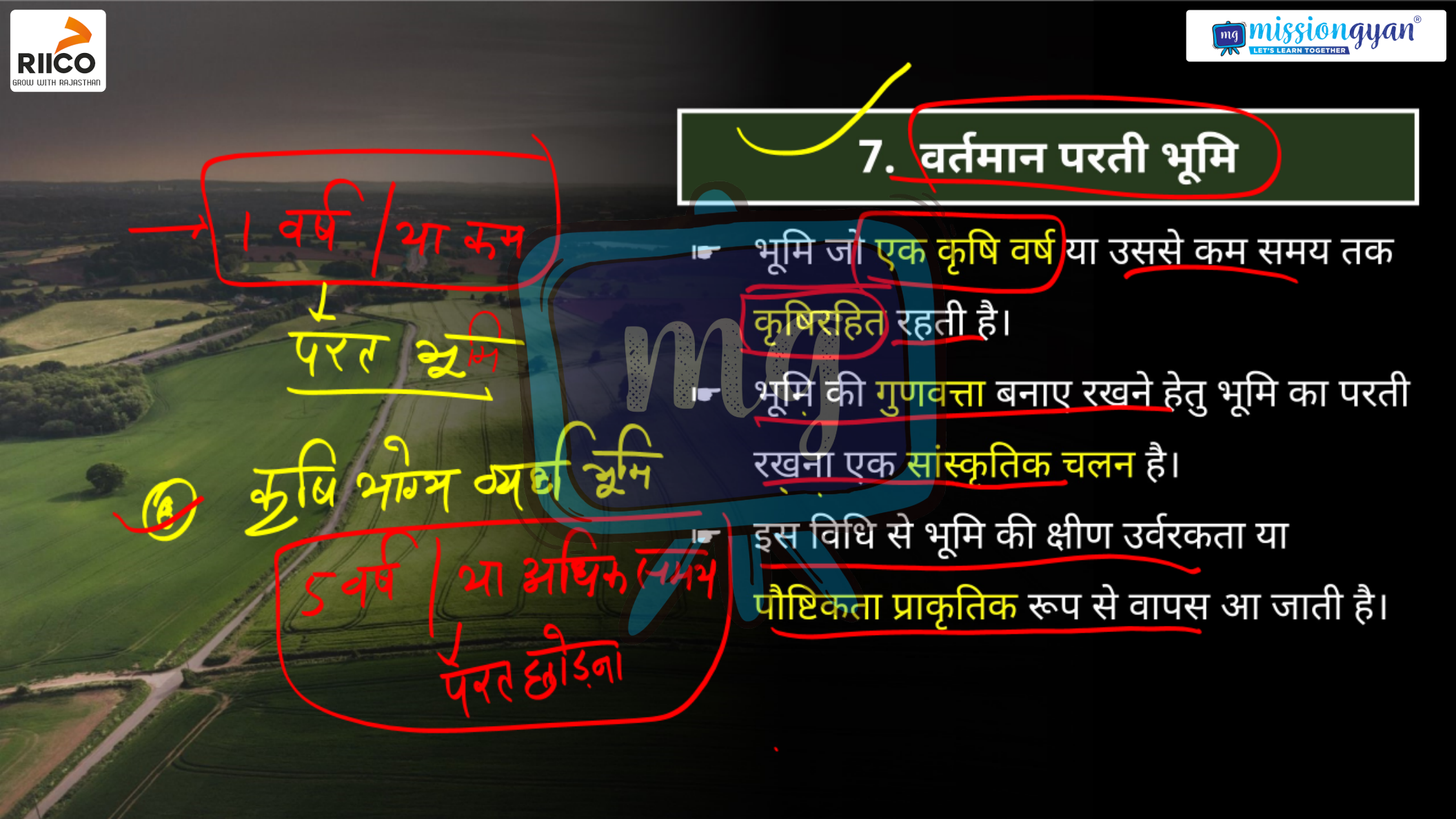
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6. कृषि योग्य व्यर्थ भूमि

पिछले 5 वर्ष + परती भूमि

- भूमि जो पिछले पाँच वर्षों तक या अधिक समय तक परती या कृषिरहित है।
- भूमि उद्धार तकनीक द्वारा इसे सुधार कर कृषि योग्य बनाया जा सकता है।





7. वर्तमान परती भूमि

- भूमि जो एक कृषि वर्ष या उससे कम समय तक कृषिरहित रहती है।
- भूमि की गुणवत्ता बनाए रखने हेतु भूमि का परती रखना एक सांस्कृतिक चलन है।
- इस विधि से भूमि की क्षीण उर्वरकता या पौष्टिकता प्राकृतिक रूप से वापस आ जाती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

① 5 वर्ष + अधिक परत → कृषि योग्य व्यर्थ भूमि।

② 1 वर्ष / उससे कम परत → वर्तमान परती भूमि।

③ 1 वर्ष से अधिक लेकिन 5 वर्ष से कम → पुरातन परती भूमि।

1+ -5

8. पुरातन परती भूमि

- कृषि योग्य भूमि, जो एक वर्ष से अधिक लेकिन पाँच वर्षों से कम समय तक कृषिरहित
- भूभाग पाँच वर्ष से अधिक समय तक कृषि रहित रहता है तो इसे कृषि योग्य व्यर्थ भूमि



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

① 1 वर्ष / उससे कम → वर्तमान परती भूमि

② 1 वर्ष से अधिक व 5 वर्ष से कम → पुरातन परती भूमि

③ 5 वर्ष से अधिक समय → कृषि योग्य व्यर्थ भूमि।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

शुरुआत Net

9. निवल बोया क्षेत्र

भूमि जिस पर फ़सलें उगाई व काटी जाती हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(1) प्राथमिक क्षेत्र → कृषि, खनन, पशु-पालन, शिकार

(2) द्वितीयक क्षेत्र → निर्माण, विनिर्माण, उद्योग

(3) तृतीयक क्षेत्र → सेवा क्षेत्र

गैर-कृषि भूमि

भारत में भू-उपयोग परिवर्तन

- भू-उपयोग आर्थिक क्रियाओं की प्रवृत्ति पर निर्भर
- समय के साथ आर्थिक क्रियाओं में बदलाव
- भूमि संसाधन क्षेत्रफल की दृष्टि से स्थायी

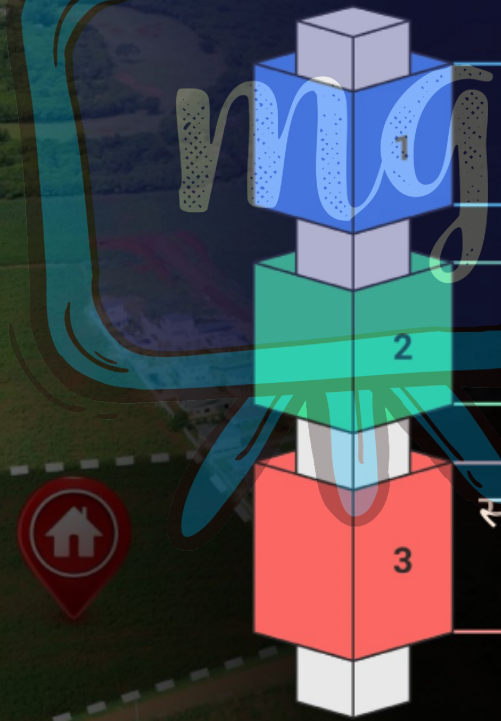


प्राथमिक क्षेत्र ↓
द्वितीयक
तृतीयक
} जनसंख्या ↑

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भू-उपयोग को प्रभावित करने वाले अर्थव्यवस्था के परिवर्तन



1. अर्थव्यवस्था का आकार में समय के साथ वृद्धि
2. समय के साथ अर्थव्यवस्था की संरचना में भी बदलाव
3. समय के साथ, कृषि क्रियाकलापों का अर्थव्यवस्था में योगदान कम होना

① U.S.A
② चीन
③ जर्मनी
④ भारत

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अर्थव्यवस्था आकार

1. अर्थव्यवस्था का आकार में समय के साथ वृद्धि

- उत्पादित वस्तुओं तथा सेवाओं के मूल्य के संदर्भ में
- निर्भरता :-
  - बढ़ती जनसंख्या
  - बदलते आय-स्तर
  - उपलब्ध प्रौद्योगिकी
- समय के साथ भूमि पर दबाव में वृद्धि
- सीमांत भूमि का भी प्रयोग

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. समय के साथ अर्थव्यवस्था की संरचना में बदलाव

- द्वितीयक व तृतीयक सेक्टरों में, प्राथमिक सेक्टर की अपेक्षा अधिक तीव्रता से वृद्धि
- भारत जैसे विकासशील देश में एक सामान्य बात
- धीरे-धीरे कृषि भूमि गैर-कृषि संबंधित कार्यों में प्रयुक्त
- ऐसा परिवर्तन शहरों के चारों तरफ़ अधिक तीव्र

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3. समय के साथ, कृषि क्रियाकलापों का अर्थव्यवस्था में योगदान कम होना

- भूमि पर कृषि क्रियाकलापों का दबाव कम नहीं होता
- विकासशील देशों में कृषि-भूमि पर बढ़ते दबाव के कारण:-
  - कृषि पर निर्भर व्यक्तियों का अनुपात अपेक्षाकृत धीरे-धीरे घटता GDP
  - कृषि का सकल घरेलू उत्पाद में योगदान तीव्रता से कम
  - जनसंख्या जो कृषि सेक्टर पर निर्भर है प्रतिदिन वृद्धि

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विकास के आधार

